सत्य का असर समाचार पत्र, कानपुर

वर्ष 14 • अंक 204

कानपुर • शुक्रवार, 29 अगस्त 2025 • पृष्ठ 1 • मूल्य ₹5.00

सीएसए में जुटेंगे देश भर के दलहन वैज्ञानिक, रबी फसलों पर होगा दो दिन का राष्ट्रीय मंथन

AICRP ऑन रबी पल्सेज की 31वीं वार्षिक बैठक 29-30 अगस्त को, ICAR महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट करेंगे उद्घाटन

■ चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर का मुख्य द्वार — जहाँ 29-30 अगस्त को आयोजित होगी 31वीं राष्ट्रीय वार्षिक बैठक

कानपुर।

रबी दलहनी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने और देश को दलहन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय बैठक का आयोजन किया जाएगा। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (AICRP) ऑन रबी पल्सेज की 31वीं वार्षिक बैठक 29-30 अगस्त को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगी, जिसमें देशभर से 200 से अधिक दलहन वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ और शोधकर्ता जुटेंगे।

इस बैठक का उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट 29 अगस्त को सुबह 10 बजे करेंगे। दो दिवसीय कार्यक्रम में रबी दलहनों की नई उन्नत किस्मों, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, टिकाऊ खेती, बीजोपदन और कीट-रोग प्रबंधन पर विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे।

कृषि वैज्ञानिकों का संगम

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने बताया कि यह बैठक देश भर के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और कृषि ऑधकरियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि दलहन उत्पादन बढ़ाकर किसानों की आय बढ़ाने और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। बैठक में चना, मसूर, मटर, उड़द और मूंग की उत्पादकता बढ़ाने हेतु तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी और पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी।

कुलपति ने कहा कि कानपुर का यह आयोजन दलहन क्षेत्र में नवाचार और अनुभव साझा करने का सुनहरा अवसर बनेगा।

आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम

AICRP ऑन रबी पल्सेज के परियोजान समन्वयक डॉ. राजकुमार ने कहा कि देश में दलहन उत्पादन को बढ़ावा देना समय की जरूरत है। बैठक में दलहन की फसल प्रणालियों, जैविक खेती, सूक्ष्म सिंचाई तकनीक और बाजार लिंकेज पर विस्तृत चर्चा होगी। समापन सत्र 30 अगस्त को आयोजित होगा, जिसमें तैयार सिफारिशें सरकार को नीति निर्माण के लिए प्रस्तुत की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से वैज्ञानिक और किसान दोनों लाभान्वित होंगे और भारत को दलहन में आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

दैनिक जागरण 28/08/2026

दलहनी फसलों में उत्पादन बढ़ाने पर होगा मंथन

जासं, कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) और भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (आइआइपीआर) के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय रबी दलहनी फसलों की 31वीं वार्षिक समूह बैठक 29 व 30 अगस्त को होगी। सीएसए में होने वाली बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर), नई दिल्ली के महानिदेशक डा. एमएल जाट मुख्य अतिथि होंगे। कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में देशभर के दलहनी फसलों के विशेषज्ञ कृषि विज्ञानी शामिल होकर शोध कार्य और नवीन तकनीक का प्रस्तुतीकरण करेंगे। आइसीएआर के उपमहानिदेशक फसल विज्ञान डा.डीके यादव, उपमहानिदेशक तिलहन एवं दलहन डा.एसके झा व सहायक महानिदेशक बीज डा.एसके चौधरी विशिष्ट अतिथि होंगे। रबी दलहनी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने पर मंथन होगा।

डा. एमएल जाट, महानिदेशक आइसीएआर •सीएसए

अमर भारती 28/08/2026

रबी दलहन की 31वीं वार्षिक समूह बैठक 29-30 अगस्त को

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए में रबी दलहनी फसलों के अनुसंधान, उत्पादन, फसल सुधार एवं संरक्षण की दिशा में नवीन तकनीकों और भावी अनुसंधान कार्यक्रमों पर व्यापक विचार-विमर्श के लिए अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ऑन रबी पल्सेज की 31वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन 29 एवं 30 अगस्त, 2026 को कानपुर में किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आयोजन का संयुक्त आयोजन भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर एवं चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डॉ. एम.एल. जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली करेंगे। समारोह में डॉ. डी.के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), डॉ. एस.के. झा, सहायक महानिदेशक डॉ. जी.पी. दीक्षित, निदेशक दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर तथा डॉ. संजीव गुप्ता, कुलपति सीएसए कानपुर की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

हिन्दुस्तान 28/08/2026

दलहनी फसलों पर कल से मंथन

कानपुर। सीएसए में 29 व 30 अगस्त को रबी दलहनी फसलों के अनुसंधान, उत्पादन, फसल सुधार एवं संरक्षण की दिशा में नवीन तकनीकों और भावी अनुसंधान कार्यक्रमों पर मंथन किया जाएगा। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ऑन रबी पल्सेज की 31वीं वार्षिक समूह बैठक का। इसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट करेंगे। समारोह में डॉ. डीके यादव (उप महानिदेशक-फसल विज्ञान), डॉ. एसके झा (सहायक महानिदेशक) डॉ. जीपी दीक्षित और डॉ. संजीव गुप्ता की उपस्थिति रहेगी।

amarujala.com/kanpur

my city

कानपुर | शुक्रवार • 28.08.2026

अमर उजाला

सीएसए में कल और परसों प्रस्तुत होंगे 150 से अधिक शोध पत्र

आईआईपीआर के सहयोग से रबी दलहनी फसलों पर होगा वैज्ञानिक मंथन, जुटेंगे 115 वैज्ञानिक

माई सिटी रिपोर्टर

चना, मटर, मसूर की नई प्रजातियों, रोग और नई तकनीक पर होगा विचार विमर्श, यंत्रों की प्रदर्शनी लगेगी

स्वदेशी और मेक इन इंडिया तकनीक पर रहेगा जोर, किसानों की दोगुनी आय करने पर होगा मंथन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 29 और 30 अगस्त को देश भर के 115 से अधिक कृषि वैज्ञानिक जुटेंगे। यहां भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (आईआईपीआर) के सहयोग से रबी दलहनी फसलों पर राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंथन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें चना, मटर, मसूर आदि की नई प्रजातियों, रोग, उन्नत तकनीक और 150 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। रबी दलहनी फसलों के संबंध में रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे कृषि मंत्रालय को भेजा जाएगा।

दो दिवसीय बैठक के दौरान फसल सुधार, फसल सुरक्षा, फसल उत्पादन से संबंधित विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। चना, मसूर, मटर एवं अन्य रबी दलहनी फसलों से संबंधित अनुसंधान, रोग, कीट प्रबंधन, कृषि उत्पादन तकनीक, सूक्ष्मजीव विज्ञान और उन्नत उत्पादन तकनीकों पर वैज्ञानिक चर्चा की जाएगी।

सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि यह राष्ट्रीय स्तर का वैज्ञानिक

आयोजन रबी दलहनी फसलों की उत्पादकता, गुणवत्ता एवं टिकाऊ उत्पादन बढ़ाने के लिए नवीन अनुसंधान रणनीतियों के निर्धारण तथा देश की दलहन आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

डॉ. एमएल जाट करेंगे अध्यक्षता

सीएसए के मीडिया प्रभारी विज्ञानी डॉ. खलील खान ने बताया कि उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट करेंगे। डॉ. डीके यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), डॉ. एसके झा, सहायक महानिदेशक डॉ. जीपी दीक्षित, निदेशक दलहन अनुसंधान संस्थान मौजूद रहेंगे।

स्वदेशी और सस्ती तकनीक पर जोर

- डॉ. खलील खान ने बताया कि कृषि विशेषज्ञ देश के अलग अलग विश्वविद्यालयों, कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि विज्ञान केंद्रों से आएंगे। करीब 150 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें स्वदेशी, सस्ती तकनीक, रोग निवारण, उत्पादन बढ़ाना शामिल है। कई छात्र-छात्राएं भी अपना रिसर्च पेपर प्रस्तुत करेंगे।

कृषि यंत्रों की लगाई जाएगी प्रदर्शनी

- दो दिनों में कई कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। यह मेक इन इंडिया तकनीक से बने हुए रहेंगे। इनका उपयोग करने से किसानों का खर्च कम होगा, जबकि फसलों का उत्पादन बढ़ जाएगा। दो दिवसीय कार्यक्रम का मकसद किसानों की आय बढ़ाना है।

महाविद्यालयों में प्रवेश पंजीकरण 31 तक

कानपुर। सीएसजेएमयू प्रबंधन ने विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों में सत्र वर्ष 2026-27 के लिए प्रवेश पंजीकरण तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी है। पहले पंजीकरण की अंतिम तारीख 20 अगस्त थी। इससे महाविद्यालयों की सीटें खाली रह गई थीं। कानपुर विश्वविद्यालय स्व वित्त पोषित शिक्षक एसोसिएशन ने प्रवेश पंजीकरण तिथि बढ़ाए जाने की मांग की थी। कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा ने गुरुवार को आदेश जारी कर दिया। (ब्यूरो)

दैनिक
वक्त दर्शन
उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र एवं दिल्ली, मुम्बई, तेलंगाना

अंक :210 | कानपुर, शुक्रवार 28 अगस्त 2026 | पृष्ठ : 8

फसलों पर राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंथन

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना रबी दलहन की 31वीं वार्षिक समूह बैठक 29-30 अगस्त को

कुंवर आशीष भदोरिया
एडवोकेट

कानपुर नगर, वक्त दर्शन कार्यालय गोपाल नगर संवाददाता चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में रबी दलहनी फसलों के अनुसंधान, उत्पादन, फसल सुधार एवं संरक्षण की दिशा में नवीन तकनीकों और भावी अनुसंधान कार्यक्रमों पर व्यापक विचार-विमर्श के लिए अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ऑन रबी पल्सेज की 31वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन 29 एवं 30 अगस्त, 2026 को कानपुर में किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आयोजन का संयुक्त आयोजन भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर एवं चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डॉ. एम.एल. जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली करेंगे। समारोह में डॉ. डी.के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), डॉ. एस.के. झा, सहायक महानिदेशक डॉ. जी.पी. दीक्षित, निदेशक दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर तथा डॉ. संजीव गुप्ता, कुलपति सीएसए कानपुर की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र 29 अगस्त को प्रात: 9:30 बजे विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित होगा। उद्घाटन सत्र में रबी दलहनों में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भविष्य की अनुसंधान प्राथमिकताओं पर प्रस्तुतियां एवं विचार-विमर्श होगा।दो दिवसीय बैठक के दौरान फसल सुधार, फसल सुरक्षा एवं फसल उत्पादन से संबंधित विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें चना, मसूर, मटर एवं अन्य रबी दलहनी फसलों से संबंधित अनुसंधान, रोग एवं कीट प्रबंधन, कृषि उत्पादन तकनीक, सूक्ष्मजीव विज्ञान तथा उन्नत उत्पादन तकनीकों पर वैज्ञानिक चर्चा की जाएगी।बैठक में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन एवं ब्रीडर सीड उत्पादन, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा **ICARDA, ICRISAT, NIPGR, BARC, NCIPM** एवं **NBAIM** सहित विभिन्न संस्थानों के सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रमों की भी समीक्षा की जाएगी।

बैठक के दूसरे दिन विभिन्न फसल सुधार, फसल सुरक्षा एवं फसल उत्पादन विषयों पर समानांतर तकनीकी सत्रों के उपरांत वर्ष 2026-27 के अंतिम तकनीकी कार्यक्रम को प्रस्तुत एवं अनुमोदित किए जाने की दिशा में विचार-विमर्श किया जाएगा।यह राष्ट्रीय स्तर का वैज्ञानिक आयोजन रबी दलहनी फसलों की उत्पादकता, गुणवत्ता एवं टिकाऊ उत्पादन बढ़ाने के लिए नवीन अनुसंधान रणनीतियों के निर्धारण तथा देश की दलहन आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

वक्तदर्शन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक इन्द्रभान भदौरिया द्वारा मां प्रिंटर्स गार्डेन नं06-ए /7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं गु
संस्थान
कानपुर नगर
प्रकाशित
प्रशाशनिक कार्यालय 355 गोपाल नगर-कानपुर

प्रधान सम्पादक